समय -: ३ घंटे MARIGOLD अंक -: ८०

सूचना :-

१. सूचना के अनुसार गद्य, पद्य, विशेष अध्ययन तथा व्यावहारिक हिंदी की सभी कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।
२. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
३. व्याकरण विभाग में आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।
४. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

(१) गद्य विभाग - अंक २०

कृति १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- (०६)

शीशम ने कहा, ''ये लोग इतने ही ओछे रहते हैं, ऊँचे नहीं उठते ! क्यों दादा ?'' दादा ने कहा, ''हमारी-तुम्हारी तरह इनमें जड़ें नहीं होतीं। बढ़े तो काहे पर? इससे वे इधर-उधर चलते रहते हैं, ऊपर की ओर बढ़ना उन्हें नहीं आता। बिना जड़ न जाने वे जीते किस तरह हैं।''

इतने में बबूल, जिसमें हवा साफ छनकर निकल जाती थी, रुकती नहीं थी और जिसके तन पर काँटे थे, बोला, ''दादा, ओ दादा, तुमने बहुत दिन देखे हैं। यह बताओ कि किसी वन को भी देखा है। ये आदमी किसी भयानक वन की बात कर रहे थे। तुमने उस भयावने वन को देखा है ?''

शीशम ने कहा, ''दादा, हाँ सुना तो मैंने भी था। वह वन क्या होता है ?''

बड़ दादा ने कहा, ''सच पूछो तो भाई, इतनी उमर हुई, उस भयावने वन को तो मैंने भी नहीं देखा। सभी जानवर मैंने देखे हैं। शेर, चीता, भालू, हाथी, भेड़िया। पर वन नामक जानवर को मैंने अब तक नहीं देखा।'' एक ने कहा, ''मालूम होता है, वह शेर-चीतों से भी डरावना होता है।''

बड़ दादा ने कहा, ''डरावना जाने तुम किसे कहते हो। हमारी तो सबसे प्रीति है।''

बबूल ने कहा, ''दादा, प्रीति की बात नहीं है। मैं तो अपने पास काँटे रखता हूँ। पर वे आदमी वन को भयावना बताते थे। जरूर वह चीतों से बढ़कर होगा।'' दादा, ''सो तो होता ही होगा। आदमी एक टूटी-सी टहनी से आग की लपट छोड़कर शेर-चीतों को मार देता है। उन्हें ऐसे मरते अपने सामने हमने देखा है। पर वन की लाश हमने नहीं देखी। वह जरूर कोई बड़ा खौफनाक होगा।''

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

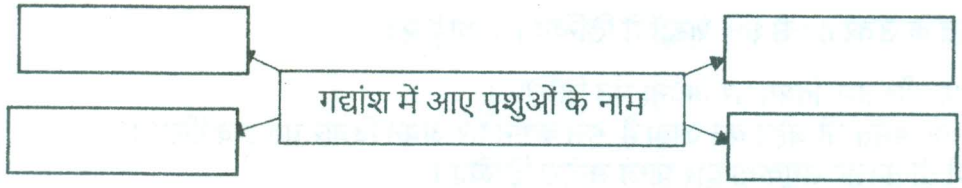

(२) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए :- (०२)

१) साफ २) काँटे ३) ऊँचा ४) प्रीति

(३) प्रकृति द्वारा निर्मित पेड़-पौधे, पशु-पक्षी का महत्व ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (०२)

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियों कीजिए :- **(०६)**

एक था मछुवा, एक थी मछुवी। दोनों किसी झाड़ के नीचे एक टूटी-फूटी झोंपड़ी में अपना जीवन व्यतीत कर रहे थे। मछुवा दिन भर मछलियाँ पकड़ता, मछुवी दिन भर दूसरा काम करती। तब कहीं रात में वे लोग खाने के लिए पाते। ग्रीष्म हो या वर्षा, शरद हो या वसंत, उनके लिए वही एक काम था, वही एक चिंता थी। वे भविष्य की बात नहीं सोचते थे क्योंकि वर्तमान में ही वे व्यस्त रहते थे। उन्हें न आशा थी, न कोई लालसा।

पर एक दिन एक घटना हो गई। मछुवा आ रहा था मछलियाँ पकड़ने। नदी के पास एक छोटा-सा गड्ढा था। उसमें कुछ पानी भरा था। उसी में एक कोने पर, लताओं में, एक छोटी-सी मछली फँस गई थी। वह स्वयं किसी तरह पानी में नहीं जा सकती थी। उसने मछुवे को देखा और पुकारकर कहा -''मछुवे, मछुवे, जरा इधर तो आ।''

मछुवा उसके पास जाकर बोला - ''क्या है?''

मछली ने कहा - ''मैं छोटी मछली हूँ। अभी तैरना अच्छी तरह नहीं जानती। यहाँ आकर फँस गई हूँ। मुझको किसी तरह यहाँ से निकालकर पानी तक पहुँचा दे।''

मछुवे ने नीचे उतरकर लता से उसको अलग कर दिया। मछली हँसती हुई पानी में तैरने लगी।

कुछ दिनों के बाद उस मछली ने उसे फिर पुकारा - ''मछुवे, मछुवे, इधर तो आ।'' मछुवा उसके पास गया। मछली ने कहा - ''सुनती हूँ, नदी में खूब पानी है। मुझे नदी में पहुँचा दे। मैं तो तेरी तरह चल नहीं सकती। तू कोई ऐसा उपाय कर कि मैं नदी तक पहुँच जाऊँ।''

''यह कौन बड़ी बात है।'' मछुवे ने यह कहकर एक बर्तन निकाला और उसमें खूब पानी भर दिया। फिर उसने उसी में उस मछली को रखकर नदी तक पहुँचा दिया। मछली नदी में सुरक्षित पहुँच गई और आनंद से तैरने लगी।

कुछ दिनों के बाद उस मछली ने मछुवे को पुकारकर कहा - ''मछुवे, तू रोज यहाँ आकर एक घंटा बैठा कर। तेरे आने से मेरा मन बहल जाता है।''

मछुवे ने कहा - ''अच्छा।''

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :- **(०२)**

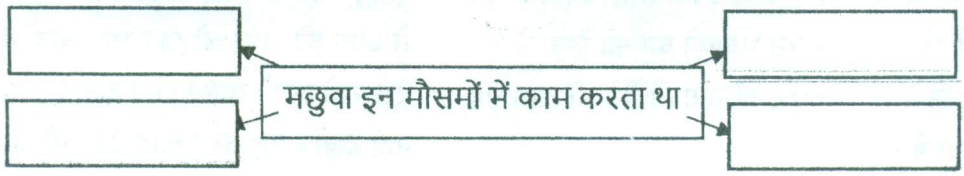

(२) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए :- **(०२)**

१. झोपडी २. मछलियाँ ३. लताओं ४. नदी

(३) लालच का फल बुरा होता है इस विषय पर अपने विचार ४० से ५० शब्दों में लिखिए। (कोई २) **(०२)**

इ) निम्नलिखित के उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए। (कोई २) **(०६)**

१. 'पर्यावरण और हम' विषय पर अपना मत लिखिए।
२. अति से तो अमृत भी जहर बन जाता है, इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
३. 'उषा की दीपावली' लघुकथा द्वार प्राप्त सन्देश लिखिए।

ई) साहित्य संबधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए (४ में से २) **(०२)**

१. 'उषा की दीपावली' लघुकथा के लेखक का नाम लिखिए।
२. 'कलम का सिपाही' रेडिओ रूपक किस लेखक पर लिखा गया है।
३. जैनेंद्र कुमार द्वारा लिखि गई कहानी का नाम लिखिए।
४.'महत्वाकांक्षा और लोभ' निबंध के लेखक का नाम लिखिए।

(२) पद्य विभाग - अंक २०

कृति २ अ) निम्‍ नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- **(०६)**

दोस्त है तो मेरा कहा भी मान
मुझसे शिकवा भी कर, बुरा भी मान

दिल को सबसे बड़ा हरीफ समझ
और इस संग को खुदा भी मान

मैं कभी सच भी बोल देता हूँ
गाहे-गाहे मेरा कहा भी मान

याद कर देवताओं के अवतार
हम फकीरों का सिलसिला भी मान

कागजों की खामोशियाँ भी पढ़
इक-इक हर्फ को सदा भी मान

आजमाइश में क्या बिगड़ता है
फर्ज कर और मुझे भला भी मान

मेरी बातों से कुछ सबक भी ले
मेरी बातों का कुछ बुरा भी मान

(१) उत्तर लिखिए :- (०२)

१. दिल को समझना है _____
२. याद करना है _____
३. इन्हें पढ़ना है _____
४. इनका सिलसिला मानना है _____

(२) (अ) निम्‍नलिखित विधान सत्य या असत्य लिखिए :- (०१)

१. कवि कभी कभी सच भी बोल देता है । ☐
२. कवि दोस्त से अपना कहा न मानने के लिए कहता है । ☐

(ब) सही विकल्प चुनकर पंक्ति पूर्ण कीजिए :- (०१)

१. इस संग को _____ भी मन (खुदा / सदा)
२. मुझसे _____ भी कर, बुरा भी मन (दोस्ती / शिकवा)

(३) दोस्ती के महत्त्व को ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (०२)

आ) निम्‍ नलिखित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :- **(०६)**

हे मेरे गिरमिटिया भाई !
'परमीट' अपनी जिगरछाप थी,
पर दासता पंक में जा गिरे थे
कितने युग लगे पंकज बनने में,
'मारीच' से मॉरिशस बनने में,
देखो इस पावन भूमि पर
बन बांधवों का सफल प्रणयन
यह तो तब था, घास ही पत्थर
पत्थर में प्राण हमने डाले
देखो इस देश को घूम-घूमकर
बिछड़े बंधुओं के लहू कणों का
स्वागत है !

हे मेरे भारत-नेपाल-श्रीलंका !
फीजी-सूरीनाम-पाक-गयाना !
साऊथ अफ्रीका, यूके-यूएसए-कनाडा !
फ्रांस रेनियन आदि के सहोदर बंधुओ !
इस भूमि में तुम सभी की
स्मृति अंकित है तल तक,
कहते हैं 'स्वर्ग' इसे हिंद महासागर का
कल्पना है या सत्य है?
प्रिय भाइयो, कल्पना भी हो
तो स्वर्ग इसे तुम बना जाओ
स्वागत-स्वागत-स्वागत है !

(१) कृति पूर्ण कीजिए :- (०२)

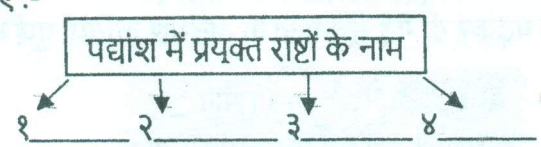

(२) निमनलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में प्रयुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए :- (०२)

१. अनुबंध २. गुलामी ३. किचड़ ४. रक्त

(३) मातृभूमि का महत्त्व ४० से ५० शब्दों में लिखिए । (०२)

इ) निम्नलिखित में से किसी एक का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए **(०६)**

१. 'स्वागत है' कविता का भावार्थ ।
२. 'बाल लीला' कविता का भावार्थ ।

ई) साहित्य संबधी सामान्य ज्ञान पर आधारित एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए (४ में से २) **(०२)**

१. पंद्रह अगस्त कविता के कवि का नाम लिखिए ।
२. दोस्ती गजल के गजल कार का नाम लिखिए ।
३. संत सूरदास के द्वारा लिखि गई कविता का नाम लिखिए ।
४. स्वागत है कविता के कवि का नाम लिखिए ।

(३) विशेष अध्ययन - अंक १०

कृति ३ अ) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

सूत्रधार

ब्लड डोनेशन का मतलब किसी की जिंदगी को बचाना है । जितनी जरूरत किसी की जान बचाने के लिए ऑक्सीजन की है, उतनी ही जरूरत वक्त आने पर रक्त की भी होती है । अगर आप किसी को नई जिंदगी देना चाहते हैं तो समय पर रक्तदान करें । रक्तदान सिर्फ दान नहीं, जीवन का दान है ।

स्टोरीज

अभिनेता–१ : मैं एक एथलीट हूँ । चार महीने पहले मैंने एक कैंसर पीड़ित तीन साल की बच्ची को रक्तदान किया । यकीन मानिए, उस वक्त जो खुशी और सुकून मुझे मिला, वह मेरे किसी भी अचीवमेंट और मेडल से बढ़कर है ।

स्त्री अभिनेत्री : जब हमारे यहाँ ब्लड डोनेशन कैंप लगा था तो मैंने अपने पति के सम्मुख ब्लड डोनेट करने की इच्छा जाहिर की । शुरूआत में वे इतने सपोर्टिव नहीं थे लेकिन मैंने उन्हें समझाया । मैंने रक्तदान किया, मन को अच्छा लगा । जब पिछले महीने मेरे पति को डेंग्यू हुआ । उन्हें खून की जरूरत पड़ी, उस वक्त मेरा ही डोनर कार्ड उनके काम आया ।

सूत्रधार

जब भी हमारे आस–पास ब्लड डोनेशन कैंप लगता है या ब्लड डोनेशन की बात आती है तो हम बहाने बनाते हैं, डरते हैं । क्या यही डर हमारी जिंदगी की उम्मीदों की रीढ़ को नहीं तोड़ रहा... ? क्या हमें आगे बढ़कर इनसानियत के लिए, जिंदगी के लिए दूसरों की मदद नहीं करनी चाहिए... ?

(१) नाम लिखिए :- (०२)

१. गद्यांश में उल्लेखित वायु का नाम _____

२. तीन साल की बच्ची को हुई बीमारी का नाम _____

३. अभिनेत्री के पति को हुई बीमारी का नाम _____

४. तीन साल की बच्ची को रक्त देने वाला _____

(२) गद्यांश में उल्लेखित अंग्रेजी शब्द ढूँढकर लिखिए :- (०२)

१. _____ २. _____ ३. _____ ४. _____

(३) वर्तमान काल में दान का महत्त्व ४० से ५० शब्दों में लिखिए :- (०२)

आ) निम्‍नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए :- (२ में से १) (०४)

१. रक्त दान सर्वश्रेष्ठ दान है इस विषय पर अपने विचार लिखिए ।

२. 'मौसम' नुक्कड़ नाटक म वर्णित समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

(४) व्यावहारिक हिंदी / अपठित गद्यांश / पारिभाषिक शब्दावली - अंक २०

कृति ४ अ) निम्‍नलिखित में से किसी एक का उत्तर १०० से २०० शब्दों में लिखिए :- (२ में से १) (०६)

१. विद्यार्थी जीवन में ई-अध्ययन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए ।

२. आर जे के महत्त्वपूर्ण कार्य पर प्रकाश डालिए ।

आ) निम्‍नलिखित में से किसी एक का उत्तर ८० से १०० शब्दों में लिखिए । (२ में से १) (०४)

१. ई-ग्रंथालय की जानकारी लिखिए ।

२. महाविद्यालय में मनाए गए हिंदी दिवस का वृतांत लिखिए ।

इ) निम्‍नलिखित अपठित परिच्छेद पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए । (०६)

एक बार शरीर के अंगों में लड़ाई हो गई। इसका आरंभ पैरों ने किया। वे बोले: लड्डू लाना हो या पेड़ा, कचौरी लानी हो या आलू की टिकिया, हमें ही दौड़ना पड़ता है, पर चीज़ लेते ही हाथ उसे थाम लेते हैं, मुँह चट कर जाता है, आँखें देखती हैं, पेट खा जाता है, नाक सूँघती है, हमें क्या मिलता है- हम क्यों बेगार करें! आज से हम नहीं चलेंगे, तो खाते हैं, लेते हैं, वे ही जाएँ, वे ही दौड़ें।

बस, पैरों की देखा-देखी औरों को भी सूझी। हाथों ने कहा: तुम चलकर जाते हो तो क्या, ढोकर तो हमीं लाते हैं, पर हमें क्या मिलता है, यह अकेला मुँह सब कुछ चट कर जाता है। उन्होंने भी अपना काम छोड़ दिया और इस तरह एक के बाद एक सभी ने छुट्टी की, पर पेट ख़ाली रहा तो शाम को ही सब पर सुती की छाया पड़ी। दूसरे दिन बेचैनी हुई और तीसरे दिन तो सबके सब दम ही तोड़ने लगे।

हँसकर पेट ने कहा: क्यों भाई, कुछ आया मज़ा? तुम समझते थे कि सब कुछ मैं अकेला ही अपने थैले में रख लेता हूँ। अरे भोले भाइयो, यह तो सहकार की बात है। तुम सब अपना काम करके मुझ तक कुछ पहुँचाते हो और मैं अपना काम करके तुम तक कुछ पहुँचाता हूँ और यों हम सब एक-दूसरे को जीवित रखते हैं।

इसी का नाम सहकार भावना है। अंगों ने समझा और उठकर अपने-अपने काम में लगे। बस, जो हाल शरीर का है, वही समाज का है। यहाँ भी सब अपना-अपना काम करते हैं, तो समाज ठीक चलता है। नहीं तो समाज के संगठन में शिथिलता आ जाती है। अब यह बात साफ़ है कि जिसमें सहकारभावना नहीं है, वह समाज का शत्रु है और उसे समाज से जीवनशक्ति ग्रहण करने का कोई अधिकार नहीं है।

(१) संजाल पूर्ण कीजिए :- (०२)

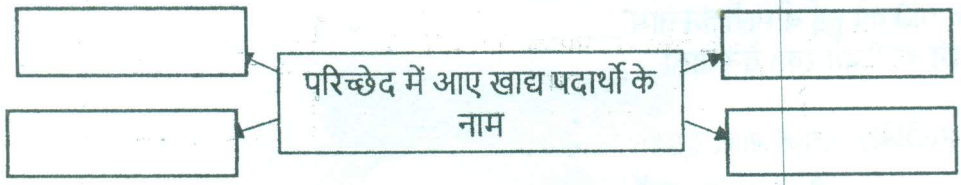

(२) (अ) सही विकल्प चुनकर लिखिए :- (०१)

१. अरे भोले भाइयो _____
अ) यह तो परोपकार की बात है ।
ब) यह तो सहकार की बात है ।
क) यह तो समझदारी की बात है ।

२.जिसमें सहकार भावना नहीं है, वह _____
अ) समाज का प्रतिनिधि है।
ब) समाज का काँटा है ।
क) समाज का शत्रु है ।

(३) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए :- (०१)
१. सुस्ती X _____ २. सहकार X _____

(४) समाज में सहकार भावना आवश्यक है । ४० से ५० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए । (०२)

ई) निम्नलिखित शब्दों के लिए हिंदी पारिभाषिक शब्द लिखिए :- (६ में से ४) **(०४)**

१. Accountant
२. Average
३. Dividend
४. Capital
५. Amount
६. Management

(५) व्याकरण विभाग - अंक १०

(अ) निम्नलिखित पंक्तियों में उदधृत अलंकार पहचानकर उसका नाम लिखिए । (३ में से २) **(०२)**

१. 'तीन बेर खाती थी, वे तीन बेर खाती है ।'
२. तरनि तनूजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।
३. रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून ।
पानी गए न ऊबरे, मोती, मानुष, चून ।

(आ) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए :- (४ में से २) **(०२)**

१.अपने पैरो पर खड़ा होना
२. आँखे फटी रहना
३. दिवाला पिटना
४. ईट का जवाब पत्थर से देना

(इ) निम्नलिखित वाक्यों को कोष्ठक में सूचित कल में परिवर्तित कीजिए ;- (कोई तीन) **(०३)**

१. मछुवी ने मछुवे की बात नहीं सुनी (सामान्य वर्तमानकाल)
२. तेरी मछुवी रानी बनकर महल में घूम रही है । (सामान्य भविष्यकाल)
३. दिवाली की शुभकामनाएँ आ रही है । (अपूर्ण भूतकाल)
४. समाचार चैनल खबरों के नाम पर डराते है । (अपूर्ण वर्तमानकाल)

ई) निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए :- (कोई तीन) **(०३)**

१. गढ्ढे में एक छोटा-सा मछली लताओं में फँस गई थी ।
२. उसे तो मछुवे पर दया करना चाहिए था ।
३. उसे तुम्हारे शक्ती पर विश्वास हो गया ।
४. तुम जूठे साबित होगा ।

******